20

… (…करने वाले अपने पास रहने देंगे)

…वाले या आवेदक … [illegible]

…-पत्र की किस्म [illegible]

…विवरण फीस जो प्राप्त हुई

…की रकम 3120=… रुपये पैसे

… रजिस्ट्री :

(1) … [illegible]

(2) लेख-पत्र की … फीस 200=00

(3) धारा 64 से 67 … करने की फीस

… प्रतिलिपि …

… की फीस

विविध फीस :

(1) साधारण अथवा विशेष …-पत्र प्रमाणीकरण फीस ..

(2) धारा 62 के अनुसार … करने की फीस

(3) धारा 25 से 34 के अनुसार … लेख-पत्र प्रस्तुत होने अथवा सम्पादनकर्ता … के उपस्थित होने के कारण चुकाई हुई फीस

(4) … भत्ता

(5) रजिस्ट्रार द्वारा … फीस

(6) …

(7) मोहरबन्द लिफाफे (जिसमें … पत्र रखा हो) अमानत रखने, वापिस लेने अथवा खोलने की फीस ..

(8) पुस्तक के निरीक्षण अथवा तलाशी की फीस ..

(9) अन्य विविध प्रकार की आय (जिसमें रद्दी पदार्थों की बिक्री इत्यादि की आय सम्मिलित है)

योग फीस 3320=00

… की तारीख 4/3/…

…-पत्र या प्रतिलिपि तलाश सर्टिफिकेट … के हस्ताक्षर और लौटाये … की तारीख

… अधिकारी
रजिस्ट्री करने वाले अफसर के हस्ताक्षर
…पुर (राज.)

(21) 5000Rs.

विक्रय पत्र तादादी 3,12,000/–रू0 तीन लाख बारह हजार रूपया मात्र

स्टाम्प राजकीय वेल्यूवेशन से तादादी 25,000/–पचीस हजार रूपया मात्र

यह विकय पत्र आज दिनांक 31–7–2005 ई0 को निम्न पक्षकारान विकेता प्रथम पक्षकार द्वारा केता द्वितीय पक्षकार के पक्ष में निम्न प्रकार से सम्पादित किया जाता हैं :–

विकेता:–

दिलखुश, सुखलाल, रामचन्द्र, गिरूजालाल पिता सोहनलाल जी ,जाति मगरा(मंदावत), उम्र 60, 54, 52, 48 वर्ष, पेशा क्रमशः– पेन्शनर, नौकरी, काश्त, नौकरी, निवासी–भीण्डर, तहसील–वल्लभनगर, जिला–उदयपुर (राज0).

–––प्रथम पक्षकार

केता:–

श्री मेवाड़ शारीरिक शिक्षा समिति, हीन्ता–भीण्डर,
अध्यक्ष– श्री गणपतलाल जी पिता श्री एकलिंग जी जाति मेनारिया ब्रामण उम्र–47 वर्ष पेशा–व्यापार एवं कृषि निवासी– बासड़ा, तहसील–वल्लभनगर, जिला–उदयपुर (राज0)

–––द्वितीय पक्षकार

क्रमशः–––2पर

उप पंजीयक, भीण्डर
जिला–उदयपुर (राज.)

5000Rs.

(22)

INDIA NON JUDICIAL

5000रु. Rs 5000

सत्यमेव जयते भारत

पाँच हजार रूपये FIVE THOUSAND RUPEES

यह कि ग्राम फौजबडली, पटवार मण्डल–चारगदिया, उप तहसील–भीण्डर, तहसील ...भनगर, जिला–उदयपुर (राज)में स्थित खाता संख्या 21 की आराजी नम्बर 255 रकबा ... 9 विश्वा किस्म ह0सेकण्ड 1 बीगा 5 विश्वा उसर 4 विश्वा, लगानी 0.81, आ0नं0 256–...02–265–266–268–269–271–272–273) रकबा 5 बीगा 3 विश्वा किस्म बी0से... लगानी 1–94 रू0, आ0नं0 257 रकबा 4 विश्वा किस्म खडा, आ0नं0 258 रकबा 6 विश्वा ... ह0सेकण्ड, लगानी 0–25 रू0, आ0नं0 259 रकबा 13 विश्वा, किस्म ह0 सेकण्ड, लगानी ...0 रू0, आ0नं0 261 रकबा 18 विस्वा किस्म ह0 सेकण्ड, लगानी 0–69 रू0, आ0नं0 263–2... रकबा 15 विश्वा किस्म ह0फर्स्ट 5 विश्वा, ह0सेकण्ड 10 विश्वा, लगानी 0–62, आ0नं0 267 ... बीगा 1 विश्वा किस्म खा0सेकण्ड 2–13, आ0नं0 270 रकबा 14 विश्वा किस्म ह0सेक... लगानी 0–50 रू0, कुल कीता 9 रकबा 11 बीगा 3 विश्वा, लगानी 7–44 रू0,का हिस्सा ... की कृषि भूमि हम विक्रेता प्रथम पक्षकार के खातेदारी व मालिकाना हक व मिल्कि... होकर हम विक्रेता प्रथम पक्षकार को हर प्रकार से हस्तान्तरित करने का पूर्ण अधिका... नकल खाता जमाबन्दी साथ संलग्न हैं । पडोस राजस्व नक्शे में अंकित हैं एवं वर्तमान ...डोस–पूर्व–आप केता की भूमि, पश्चिम– शंकरलाल,उंकारलाल पि0 दौला जी ब्रामण की भू... उत्तर– आवागमन का रास्ता दक्षिण– आप केता की भूमि ।

...यह कि हम विक्रेता प्रथम पक्षकार को जायज जरूरीयात में रूपयों की आवश्यकता होने ... कलम नं :1: में वर्णित सुदा ग्राम फौजबड़ली, उप तहसील–भीण्डर तहसील ...ल्लभनगर, जिला–उदयपुर (राज)में स्थित खाता संख्या 21 की आराजी कीता 9 रकबा ...बीगा 3 विश्वा लगानी 7–44रू0 का हिस्सा 1/3 से 74.33 विश्वा, भूमि को बिल एवज ...,000/–रू0 अक्षरे तीन लाख बारह हजार रूपया के प्रतिफल में आप केता द्वितीय ... सा मय रूख–वृक्ष, डाली–पाली, मेर–कोर, बाड–कटवाड़, निकास–पेसार, हक–... खातेदारी राईट सुदा कुलिया हक हकूकों के विक्रय कर वास्तविक रूप से कब्जा आप ... द्वितीय पक्षकार को सिपुर्द कर दिया हैं सो आप केता द्वितीय पक्षकार उक्त भूमि का अपनी ... अनुसार उपयोग– उपभोग करें भविष्य में हर प्रकार से अन्य को हस्तान्तरित करें

5000Rs. (23)

हम ... को किसी प्रकार का कोई उजर ऐतराज नहीं हैं. आज से आप केता द्वितीय पक्षकार ही ... मालिक एवं अधिपत्यधारी हैं ।

...3:- यह कि विकय राशि रुपये: 3,12,000/—रू0. अक्षरें तीन लाख बारह हजार रूपये ... विक्रेता प्रथम पक्षकार ने आप केता द्वितीय पक्षकार से दी बैंक आफ राजस्थान लि0 शाखा ... के चेक नं0 कमश:063914, 063915, 063916, 063917 कमश: राशि 78,000/—रू0 के ... हम चारो विकेताओं के नाम पर अलग–2 प्राप्त कर लिये हैं, अब कोई राशि लेना शेष नहीं ... जिसकी प्राप्ती की अनिस्वीकृती वक्त रजिस्ट्री कर देगें ।

4: यह कि इस विकय पत्र द्वारा उक्त वर्णित विकित आराजीयात को आप केता राज ... अभिलेखों में अपने नाम पर परिवर्तन करा लेवें ।

5: यह कि उक्त वर्णित विकित आराजीयात हम विकेता प्रथम पक्षकार ने आज से पूर्व ... किसी व्यक्ति को रहन, बेह, बक्शीस, वसीयत आदि किसी प्रकार से हस्तान्तरित की हुई ... है । इस भूमि पर किसी बैंक अथवा वित्तिय संस्था, या किसी व्यक्ति का कोई ऋण एवं ... नहीं हैं । यदि इस पर किसी प्रकार का कोई ऋण या भारं होगा तो उसकी अदायगी का ... हम विकेता का हैं व रहेगा ।

6: यह कि इस विकय बाबत हम विकेता प्रथम पक्षकार के कुटुम्बी, परिवारजन, उत्त... धिकारीयो का या अन्य किसी व्यक्ति का कोई उजर या ऐतराज नहीं हैं, इस पर किसी प्रकार ... कोई वाद किसी न्यायालय में नहीं चल रहा हैं । अगर कोई उजर या ऐतराज करे ... कोई ऋण भार या विवाद होगा तो उसकी समस्त प्रकार की अदायगी व उत्तरदायित्व एव ... की जिम्मेंदारी हम विकेता प्रथम पक्षकार की रहेगी और उनका मन हम विकेता प्रथम ... स्वयं अपने घराघरू मनायेगें ।

कमश:———4पर

उप पंजीयक, भांडारेज
जिला–दौसा (राज.)

5000Rs. (24)

-4-

यह कि हम विक्रेता प्रथम पक्षकार की किसी त्रुटी या स्वत्व की कमी के कारण ... वर्णित विकित भूमि या उसका कोई अंश आप केता द्वितीय पक्षकार के कब्जें से निक... तो जरें विक्रय राशि मय हरजा खरचा लागत हर्जानें आदि की अदायगी का जिम्मा ... प्रथम पक्षकार का रहेगा और आप केता द्वितीय पक्षकार हमसे व हमारी दिगर अन्य ... जायदाद से हि वसूल कर सकेंगें ।

यह कि इस विक्रय पत्र के मुद्राक एवं पंजीयन आदि का समस्त व्यय आप केता ... पक्षकार ने वहन किया हैं ।

अतः यह विक्रय पत्र हम विक्रेता प्रथम पक्षकार ने अपने पूर्ण प्रसन्नचित एवं स्थिर ... से बिना किसी भय या दबाव के प्रसन्नतापूर्वक अपनी स्वेच्छा से राजकीय मुद्रांक संख्या ... से 380 तादादी कमशः 5,000/- जुमला कीता 5 व संलग्न सप्लीमेन्ट्री पेपर कीता एक ... कुल कीता 8 तादादी 25,000/- पच्चीस हजार रूपया पर हस्ताक्षर कर सम्पादित करा दिया ... 2062 श्रावण वदि 11 वार रविवार तदनुसार दिनांक 31-7-2005 ई0 को अंकित का... के समक्ष भीण्डर मे बैठा पढ़कर, सुनकर, समझकर अपने हस्ताक्षर कर सम... दिया है कि सही सनन्द रहे वक्त जरूरत काम आवें ।

दिनांक ...-2005 ई0

स्थान भीण्डर (राज.)

हस्ताक्षर सम्पादनकर्ता
(विकेता प्रथम पक्षकार)

5000Rs.

साक्षीः–

हम निम्न हस्ताक्षरकर्ता साक्षीगण इस विक्रय पत्र पर अपने हस्ताक्षर कर साक्ष्य करतें हैं कि उक्त विक्रय पत्र विक्रेता प्रथम पक्षकार ने हमारें सम्मुख पढ़कर, सुनकर समझकर अपने लिखान माफिक सही सत्य तथा विक्रय पत्र में वर्णित राशि प्राप्त कर अपने हस्ताक्षर कर सम्पादित किया । उपरोक्त विक्रेता प्रथम पक्षकार को हम पहचानतें हैं ।

हस्ताक्षर

1– नाम– [illegible]
पिता का नाम– [illegible]
जाति– [illegible] –निवासी– भींडर
तहसील–वल्लभनगर, जिला–उदयपुर (राज.)

2–नाम– ललित कुमार [illegible]
पिता का नाम– [illegible]
जाति– [illegible] –निवासी– [illegible]
तहसील–वल्लभनगर, जिला–उदयपुर (राज.)

हस्ताक्षर सम्पादनकर्ता
(विक्रेता प्रथम पक्षकार)

क्रमशः—–6पर

आनन्द जैन
उप पंजीयक, भींडर
जिला–उदयपुर (राज.)

26

विकित भूमि सम्बन्धित विवरण निम्न हैं :—

1— कि विकित आराजीयात के खसरा नम्बर, क्षैत्रफल, लगान उपर अंकित हैं ।
2— कि विकित भूमि का क्षेत्रफल 74.33 विश्वा हैं । जिसमें किस्म खादी का हि0 7विश्वा हैं ।
3— कि विकित भूमि असिंचित हैं । पिलाई का कोई साधन नहीं हैं । भूमि पड.त होकर वर्तमान में एक साखी है । भूमि की किस्म में खडडा बताया गया है किन्तु मौंके पर समतल कर दिया गया है ।
4— कि विकित भूमि ग्राम फौजबडली के पूर्व तरफ आबादी से 1/2 किमी की पर स्थित हैं ।
5— कि विकित भूमि के आस–पास कोई औद्योगिक वाणिज्यिक, आवासीय ईकाइया आदि नहीं हैं ।
6— कि भावों में कोई उतार चढाव नहीं हैं ।
7— कि विकय राशि बाजार मुल्य से कम नहीं हैं ।

दिनांक:— 31—7—2005 ई0

(विकेता प्रथम पक्षकार)
हस्ताक्षर सम्पादनकर्ता

प्रपत्र पी. 14
(देखिये नियम 53)

(केवल नकल के उपयोग के लिए)

जमाबन्दी (खतौनी) ग्राम—[illegible] —पटवार क्षेत्र—[illegible] —भू-अभिलेख निरीक्षक क्षेत्र—[illegible] —तहसील—[illegible] —जिला—[illegible] —राजस्थान संवत् 20[illegible]–से 20[illegible]

खतौनी संख्या				खसरा संख्या	क्षेत्रफल	मृदा (भूमि) [illegible]	सिंचाई के साधन	दर सहित ब्यौरा (कृषक द्वारा)	रकम	अंतरण के प्रकार ... अनुप्रमाणित नामान्तरकरण के आदेश की संख्या व तारीख	भूमि के ब्यौरे ... की विशिष्टियां ... में भूमि अंतरित ...	अंतरण के प्रकार ... अनुप्रमाणित नामान्तरकरण के आदेश की संख्या व तारीख	भूमि के ब्यौरे ... की विशिष्टियां ... में भूमि अंतरित ... है।	अंतरण के प्रकार ... अनुप्रमाणित नामान्तरकरण के आदेश की संख्या व तारीख	भूमि के ब्यौरे ... की विशिष्टियां ... में भूमि अंतरित ... है।	[illegible]
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17
24	20	03123	श्री रोड़ीलाल पिता किशनलाल [illegible]	224 243 250 252 252 265 252 254 201 202 203	[illegible]	[illegible]		0.25 0.26	0.[illegible] 1.[illegible]	[illegible]						
				22.6 248 245 249 253 257 256 200				0.42 0.47 0.47 0.42 2.- 0.47	0.22 0.20 0.25 0.52 2.9[illegible] 0.20							
		2.4090	गाजरस्थान	[illegible]	49/3				6.[illegible]							

नामान्तरकरण [illegible] 332 [illegible] लिखमीचन्द, मूलचन्द [illegible] 1.1127 [illegible] 0.1405 0.1345 0.1620 0.2269 0.1572

[illegible] 331 [illegible] [illegible] 0.35 [illegible]

[illegible]
[illegible] सदस्य
[illegible]

चेतना, भीण्डर

[illegible]

[illegible] (राज.)

—प्रथम पक्षकार

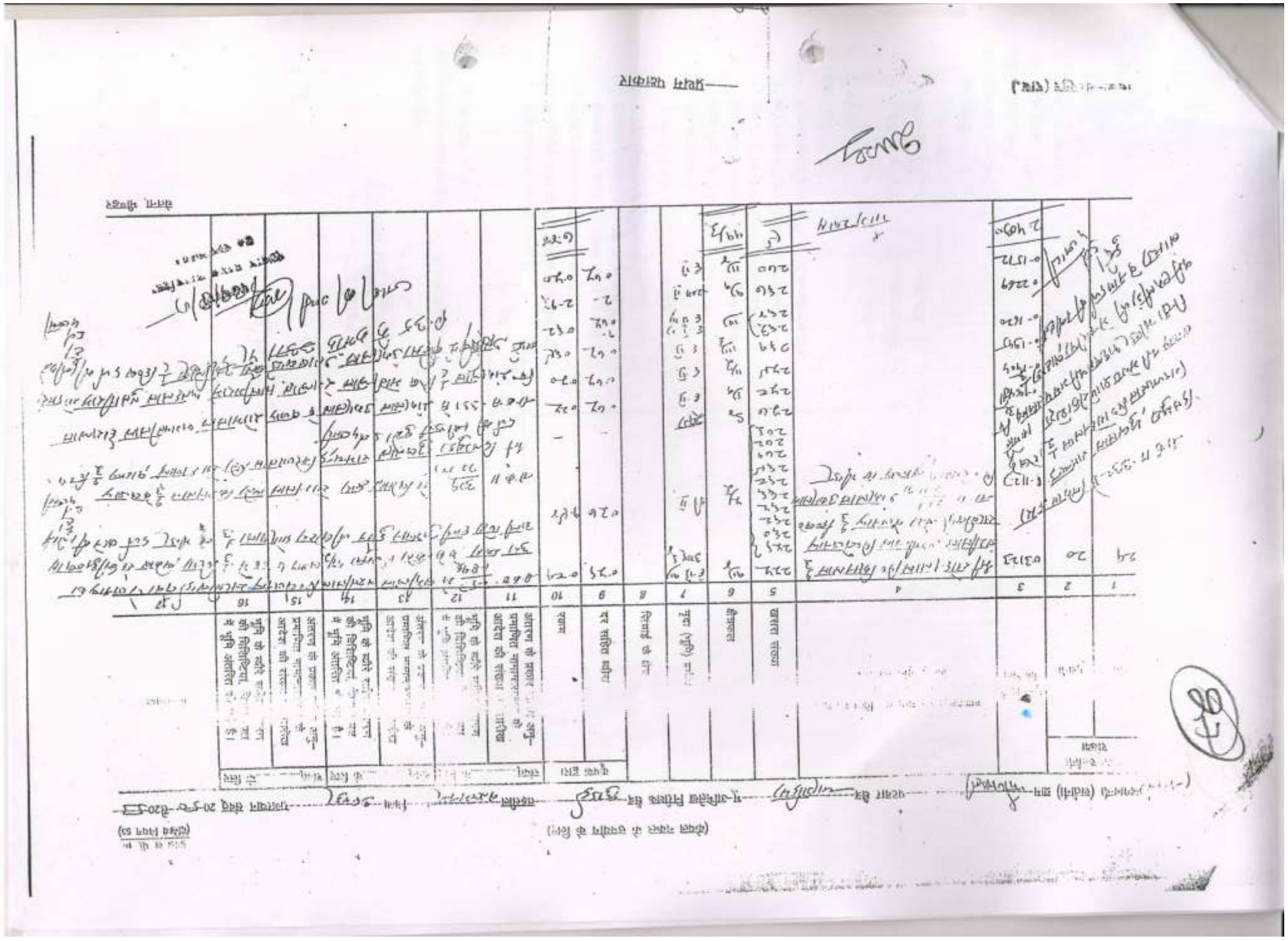

विक्रय-पत्र 15000-
मूल्यांकन 114000-
स्टाम्प 11,400-

(28)

(3)

सीरियल नं. 53/74

(यह रसीद लेख्य-पत्र पेश करने वाले आवेदन-पत्र पेश करने वाले अपने पास रखें)

(प्राप्त हुई फीस के लिए रसीद)

1. पेश करने वाले या आवेदन-पत्र देने वाले का नाम — श्री नवलसिंह पिता अर्जुनसिंह राजपूत निवासी जोगनवड़ा
2. लेख्य-पत्र की किस्म
3. विशेष फीस जो प्राप्त हुई
4. ... की रकम
क. फीस रजिस्ट्री :
(1) साधारण फीस रजिस्ट्री ... — विक्रय-पत्र 15000/-
(2) लेख्य-पत्र की पुस्तक में प्रतिलिपि करने की फीस ...
(3) धारा ... के अनुसार ज्ञापन जारी करने की फीस ...
ख. धारा 57 के अनुसार पार्टियों के प्रविष्ट लेखों की प्रतिलिपि की फीस — मूल्यांकन 114000/- — 553-00
ग. विविध फीस :
(1) साधारण अथवा विशेष अधिकार-पत्र प्रमाणीकरण फीस ... — 9-
(2) धारा ... के अनुसार अनुवाद प्रस्तुत करने की फीस
(3) धारा ... व 34 के अनुसार देर से लेख्य-पत्र प्रस्तुत होने अथवा अभ्यर्थनकर्ता इत्यादि के उपस्थित होने के कारण जुर्माना की फीस — 2-
(4) कमीशन तथा ... की फीस तथा भत्ता ...
(5) रजिस्ट्रार द्वारा रजिस्ट्री करने पर अतिरिक्त फीस ...
(6) संरक्षण फीस
(7) मोहरबन्द लिफाफे (जिसमें वसीयत-पत्र रखा हो) अमानत रखने, वापिस लेने अथवा खोलने की फीस ...
(8) पुस्तक के निरीक्षण अथवा तलाशी की फीस ...
(9) अन्य विविध प्रकार की आय (जिसमें ... पदार्थों की बिक्री इत्यादि की आय सम्मिलित ...)

योग फीस 564-00

रुपया पांच सौ चौसठ मात्र

फीस के प्राप्त होने की तारीख ... 8-2-94

लेख्य-पत्र या प्रतिलिपि अथवा सर्टिफिकेट पाने के हस्ताक्षर और लौटाये जाने या पाने की तारीख ... 8-2-94

(हस्ताक्षर)

उप पंजीयक
रजिस्ट्री करने वाले अफसर के हस्ताक्षर
...
जिला उदयपुर (राज०)

(हस्ताक्षर)

(29)

॥ श्री ॥

पेज 1
क्र.नं. 5519/2
1494

5000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

५000रु. Rs 5000

सत्यमेव जयते
भारत

पाँच हजार रुपये FIVE THOUSAND RUPEES

विक्रय पत्र मूल्यांकन 85,000/ पच्चासी हजार रुपया मात्र - वैल्यु बेसिस के हिसाब में 85000/ - 1,14,000/ (एक लाख चवदा हजार रुपया मात्र।

- - - - - - - - - -

राज्य किस मुहर की कीमत 11400/ चार सौ

- - - - - - - - - -

मैं कि नवलसिंह पि. अर्जुनसिंहजी राजपूत शक्तावत उमर 54 वर्ष निवासी फौजपडली तहसील वल्लभनगर जिला उदयपुर राजस्थान का हूँ। जो कि इस विक्रय पत्र का निष्पादनकर्ता हूँ। और विक्रेता हूँ।

आप अध्यक्ष श्री गणपतलाल जी मेनारिया मेवाड़ शारीरिक शिक्षा समिति हीरा मोन्डर पंजीयन नं. 61/84 दिनांक 12/4/84 है। जो कि इस विक्रयपत्र के ग्रहणकर्ता हैं। और क्रेता हैं। जिन्हें इस विक्रयपत्र में क्रेता के नाम से सम्बोधन किया गया है।

(1) कि ग्राम फौज पडली पटवार सर्कल ..... सीमा में बेरून हलका आबादी विक्रेता के खाते की आराजी खसरा नं. 253-254 282-325 रकबा 5.4 प.आ. लगानी 11-44 (ग्यारह रुपया चवालीस पैसा है। चतः सीमा इस प्रकार हैं।

(1) पूरब में अमरजी गोपा नाथ वगैरा गाडरियान की आराजी।

(2) दक्षिण - आम रास्ता कच्चा।

नवलसिंह

(30)

49

5000 Rs.

INDIA NON JUDICIAL

५000 रु. Rs 5000

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच हजार रुपये FIVE THOUSAND RUPEES

(3) पूरब - सीमा मौजूद।

(4) पश्चिम - कमला गोधा नार ज्याडली एवं मोहनलाल पि० कीसन लाल वशीलाल- लक्ष्मीनारायण पिता ब्रजनाथ मंदिर, ग्राम एवं नि० मौजूद की आराजीयात।

मंतोष यतः सीमा-मध्य उपर अंकित सभी सम्पूर्ण आराजी विक्रेतारी हेतु विक्रेता के ही आधिपत्य में है। और इसका उपभोग विक्रेता ही कर रहा है।

(5) कि विक्रेता को रुपयों की आवश्यकता होने से उपरोक्त खसरा नं० 1 में वर्णित आराजी रकबा 5/4 पाँच बीघा चवदा विस्वा लगानी 01 रु० 44 पैसा का हक मालकाना मय खड़ोत रास्ते आम दिनांक 8।2। सन् 1994 को रजिस्ट्री सब डीलो पाली मेरकोट वाड़ कटवाड़ निवास पैसार संपूर्ण आधेकार- आराजी पालाली कर मश मौजूदा हक उनको के क्रेता को 55000) अक्षरे पचपन हजार रुपया लेकर बाजार चलन के अतिरिक्त में विक्रय कर देता हूँ। विक्रेताने 55000) पचपन हजार रुपया ही प्राप्त किये हैं। बकम रजिस्ट्री सरकारी वैल्यूएशन के आधार पर इसका मूल्य 1,18000) एक लाख अठारह हजार का माना जाने से यह विक्रय पत्र राज्याक्रिय मुद्रांक कीमती 11800) रुपया पर तहरीर कर दिया गया है। विक्रय संपूर्ण आराजी का क्रेता को कब्जा दे दिया है। सो सीमा नीति के नियम के अनुरूप उपयोग एवं उपभोग करें।

[signature]

[signature]

1000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१000रु. Rs 1000

भारत

एक हजार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

(3) कि इस विक्रय कीगई संपूर्ण आराजी का विक्रेता पूर्णरूप से स्वामी है। इसमें अन्य किसी का कोई हक व हिस्सा नहीं है। विक्रेता कर्ता है। विक्रय करने का अधिकार होने से क्रेता सिमोली को विक्रय कर कब्जा सिपुर्द कर दीया है। सो इस विक्रय कीगई भूपसंपूर्ण आराजी पर जैसा स्वामीत्व व आधिपत्य विक्रेता का है। वैसा ही आज दिनांक 8।2। सन 1994 ईस्वी। से क्रेता सीमोली का हो चूका है। अब विक्रेता कोई भी स्वामीत्व व आधिपत्य कोई शेष नहीं रहा है। क्रेता सिमोली ही एक मात्र स्वामी एवं आधिपत्यधारी है।

(4) कि यह विक्रय कीगई संपूर्ण आराजी सब प्रकार के अवरणो से मुक्त है। अन्य किसी के यहाँ रहन भार से तथा वाद विवादो से मुक्त है। अन्य किसी से कोई करारनामा या विकाव की हुई नहीं है। आगे फिर भी कोई करारनामा या किसी भी प्रकार का कोई भार विवाद उत्पन्न हो जायगा। जो इसका उत्तरदायी व निराकरण का हरजा खर्चा सहीत विक्रेता जिम्मेदार है। और रहेगा।

(5) कि इस विक्रयपत्र के द्वारा खाता विक्रय कीगई संपूर्ण आराजी का विक्रेता के नाम पर से क्रेता अपने नाम पर पट्टी नामे कराले वे। और राजस्व में लगान अब से क्रेता सिमोली जमा करावे।

(6) कि स्टाम्प पेपर रजीस्ट्री का सारा खर्चा क्रेता ने दिया है।

[signature]

लालाराम

(32)

देमध राजस्थान 200Rs.

INDIA NON JUDICIAL

२०० रु. Rs 200

सत्यमेव जयते

भारत

दो सौ रूपये TWO HUNDRED RUPEES

के जिम्मे है। विक्रेता के जिम्मे कोई खर्चा नहीं है।

(७) कि इस विक्रयपत्र बाबत विक्रेता एवं विक्रेता के वंशज परिवार भाई भागीदार आदी का भविष्य के लिये कोई उज्र एतराज नहीं चल सकेगा। अगर कोई भी उज्र एतराज करेगा तो विक्रेता जिम्मेदार है। और उसका मय खर्चा अपने खर्च पर मनावेगा।

(८) कि यह विक्रयपत्र विक्रेता ने अपने स्वस्थ चित्त व हमेर बुद्धि सही होश हवास से भीलवाड़ा में केवल ६५०००) पैंसठ हजार रुपया एक मुश्त प्राप्त कर पूर्ण प्रसन्न चित्त से क्रेता समिति के पक्ष में राजस्थान स्टाम्प मुताबिक कीमती ११४००) ग्यारह हजार चार सौ स्टाम्प पर सम्पादित कराया गया है। कि प्रमाण रहे समय पर काम में आवे। २०५० का महाविद १३ मंगलवार दि० १२ सन् १९९४ ई. द। कातिब आमेट श्री नवलसिंह शक्तावत के कहने मुताबिक यह विक्रयपत्र लिखा स्वयं ने पढ़ कर समझ कर सही मुताबिक लिखना स्वीकार किया। द: कातिब आमेट।

नवलसिंह

[signature] प्राचार्य

राणा प्रताप ... छीता-भीण्डर, ...

नैस्युवेशन के तथ्य इस प्रकार है

[signature] १। विक्रय आराजी का क्षेत्रफल ५.१५४ बाराजी ० १२८४४ ...

नवलसिंह

उप पंजीयक भीण्डर (राज०)

(83)

पेज२ राजस्थान 200Rs.

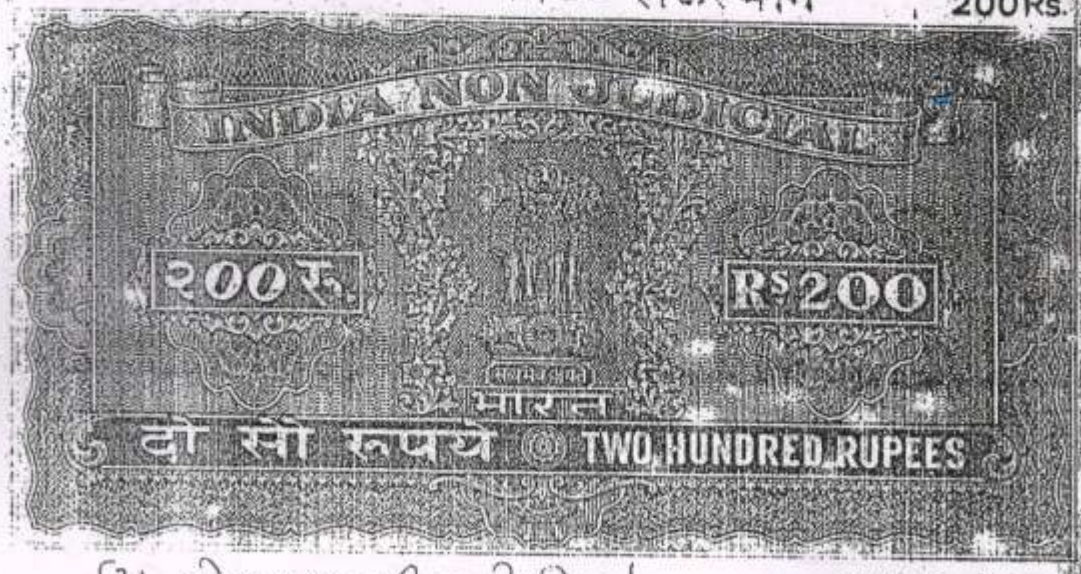

INDIA NON JUDICIAL

२०० रु. Rs 200

भारत

दो सौ रुपये TWO HUNDRED RUPEES

(2) कि यह आराजी आसिंचित होकर एक फसली है जिसमें कास्त नहीं होती है। कीड़े मकोड़ी पेड़ चरते है।

(3) कि विक्रय आराजी को सीमा सड़क ऊपर है।

(4) कि नकूल नाला व जिस गोचर करी खसरा की आने जाने की
[illegible] है।

(5) कि यह आराजी आबादी ग्राम पंचायत की परवरीशा में है। आबादी ग्राम पंचायत से 1/2 - बस स्टेण्ड से 1-1/2 - फर्लांग से 1 कीलोमीटर की दूरी पर है।

(6) आवागमन का रास्ता कच्चा है बीजली उपलब्ध नहीं है।

(7) कि उक्त आराजी के आसपास औद्योगीक वाणीज्य - न आवासीय क्रियायें नहीं है।

(8) कि यह आराजी नगरपालीका क्षेत्र के क्षेत्र में नहीं होकर ग्राम पंचायत क्षेत्र [illegible] चारागाह में [illegible] है।

(9) कि भागो में कोई चढाव नहीं है। इससे विशेष रखने वाला कोई ग्राहक नहीं है।

(10) कि विक्रय राशि पूरी रुपये सही - और वास्तविक है।

फकत। पेज नं० २ की का. नं० 13 में [illegible] को। 27 ऊपर की रकम ओ. पढनीय है। प्रथम पेज की का. नं. 18 में [illegible] 11 मी- जखगई है।

उप पंजीयक
सीकर
जिला अजमेर (राज०)

प्रार्थी

(34)

पेश: कः

उपर की बातें मैंने पढ़ कि दी ता० ८।२।४६ को नवलसिंह जी शक्तावत के कहने मुताबिक लिखी है। सुना गो पढ़कर अपने कहने मुताबिक वीसला स्वीकार किया। शाप आवेगा।

नवलसिंह

साक्षी १ हरिसिंह चौहान पिता श्री कल्याणसिंह चौहान निवासी ऊणदा की खेड़ी जि. राजसमन्द की श्री नवलसिंह जी शक्तावत निवासी फौजवड़ली की साक्ष औगड़ में दी। मैं इनको पहचानता हूं कि मेरे सामने सही किये। ह० 8/2/94

साक्षी २ हीरालाल सुथार पिता श्री पन्नालाल सुथार निवासी मेल जिला उदयपुर की श्री नवलसिंह जी शक्तावत निवासी फौजवड़ली की साक्ष औगड़ में दी। मैं इनको पहचानता हूं नवला सिखाने हजार मेरे सामने किये।

हीरालाल सुथार
8/2/94

दिनाङ्क ८।२। सन् १९४८

स्थान भींडर राज स्थान।

नवलसिंह

प्रतिलिपि प्रमाणित
प्रतेख सं ... 38
रु०मा० 23 | पोस्ट 60/-
सा०मा० 2- सन् 1986
दिनांक 8-2-75
प्रतिलिपिकार
प्रतिलिपिकारता
8-2-75

उप पंजीयक
भींडर
जिला उदयपुर (राज०)

थाना ... हीता-मावली ...

आंशिक नक्शा हद ग्राम – फोपवली तहसील वल्लभनगर
जिला – उदयपुर (राज.)

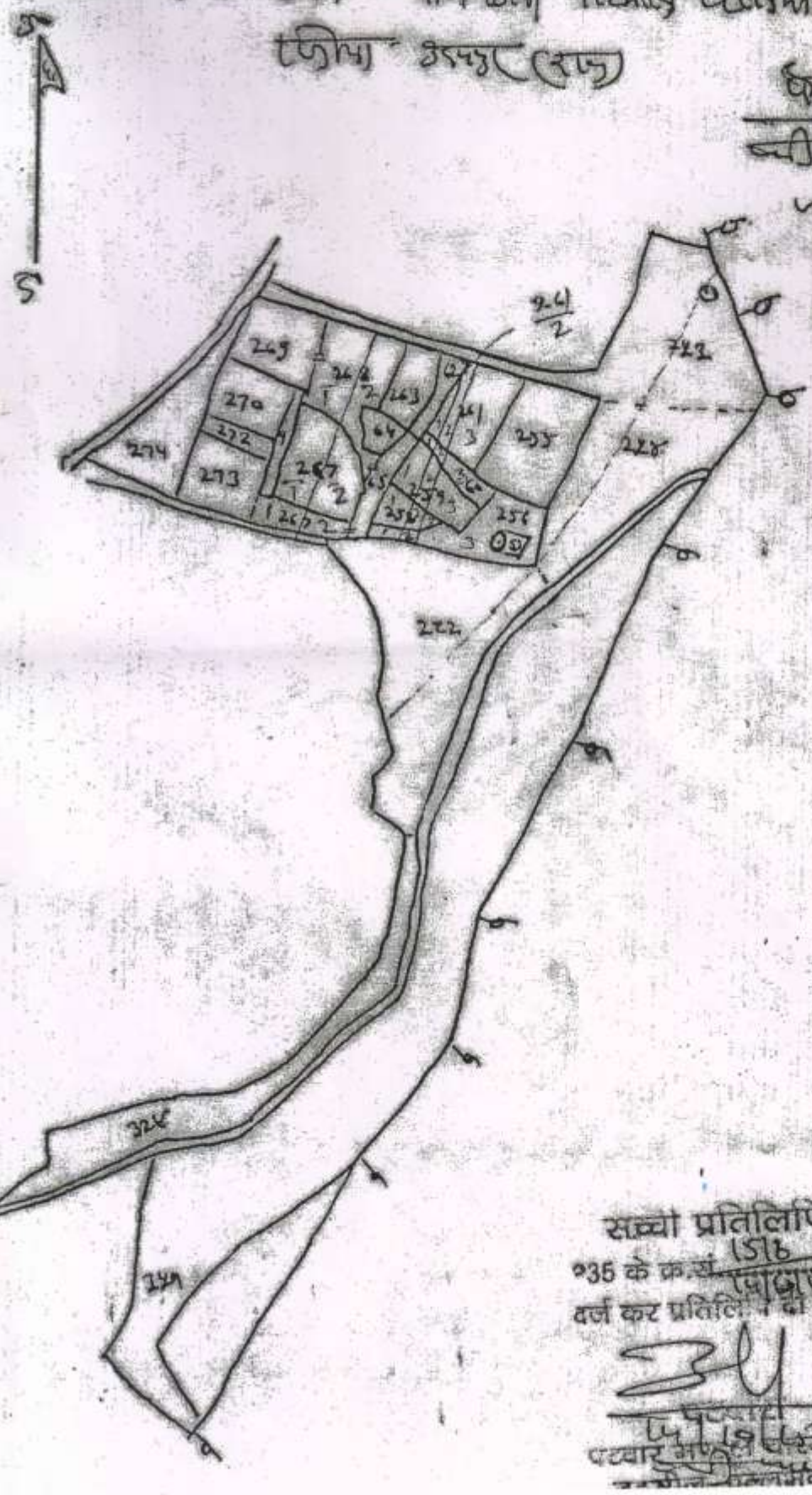

सच्ची प्रतिलिपि
35 के क्र.सं. 1516 पर
दर्ज कर प्रतिलिपि दी गई।

पटवार मंडल

राजस्थान सरकार

उपखण्ड अधिकारी (कृषि भूमि रूपान्तरण) उदयपुर जिला उदयपुर

प्रपत्र "ग"

(नियम 16 देखिये)

क्रमांक 3/97

पत्रावली सं. 3/97

(36)

पट्टा विलेख

यह पट्टा एक ओर राजस्थान राज्य के राज्यपाल (जिन्हें इसके आगे "पट्टाकर्ता" कहा गया है और जिस अभिव्यक्ति में उनके उत्तराधिकारी और अनुज्ञात समनुदेशिती सम्मिलित होंगे जब तक विषय अथवा संदर्भ द्वारा अन्यथा अपवर्जित न हो) को दूसरी ओर श्री गणपतलाल मेनारिया अध्यक्ष मेवाड़ शारीरिक शिक्षा समिति निवासी हीन्ता (भींडर) तहसील वल्लभनगर जिला उदयपुर गृह निर्माण सहकारी सोसायटी .... के अध्यक्ष/सचिव/कार्य कारी सदस्य/भूमि के धारक के रूप में अपनी वैयक्तिक हैसियत से (जिसे इसमें इसके पश्चात "पट्टेदार" कहा गया है और जिस अभिव्यक्ति में उत्तरवर्ती और समनुदेशिती सम्मिलित होंगे) जब तक विषय अथवा संदर्भ द्वारा अन्यथा अपवर्जित न होने के बीच तारीख .... 7/1/97.. को किया गया।

अतः पट्टेदार ने इससे उपाबद्ध अनुसूचि में वर्णित भूमि पर नगरीय पट्टा अधिकारों के अर्जन के लिए पट्टा-कर्ताओं को आवेदन किया है।

और यतः पट्टाकर्ता उक्त भूमि का पट्टेदार को इसमें इसके पश्चात बताये गये निबन्धनों और शर्तों पर पट्टान्तरण करने को सहमत हो गया है।

अतः यह विलेख इस बात का साक्षी है कि।

पूर्वोक्त करार के अनुसरण में और .... 9,800/— रुपये की राशि (रुपये नौ हजार आठ सौ रुपया मात्र) को इस विलेख के निष्पादन के पूर्व संदत्त की जानी है (जिस राशि की प्राप्ति को पट्टाकर्ता इसके द्वारा अभिस्वीकार करता है तथा इसमें उसके आगे अन्तर्विष्ट प्रसंविदाओं के प्रतिफलस्वरूप पट्टाकर्ता इसके द्वारा पट्टेदार को इससे उपाबद्ध अनुसूची में ब्यौरे वाली और उसमें वर्णित भूमि जिसकी सीमाएँ उस पर लाल रंग में दिखाई गई हैं (जिसे इसमें इसके आगे पट्टान्तरित भूमि कहा गया है। तारीख .... 7/1/97.... से पट्टेदार द्वारा धारित किये जाने के लिये पट्टान्तरित करता है।

2 इसके पक्षकार इसके द्वारा परस्पर निम्नलिखित करार करते हैं-

1 पट्टेदार इस पट्टे के जारी रहने के दौरान पट्टान्तरित भूमि या उस पर निर्मित भवनों की बाबत अब प्रदेय या इसके पश्चात प्रदेय होने वाले सभी रेट कर और प्रभार सहन करेगा।

2 पट्टा राजस्थान भू-राजस्व (नगरीय क्षेत्रों में आवासीय एवं वाणिज्यिक प्रयोजनों के लिये कृषि भूमि का आवंटन संपरिवर्तन एवं नियमितिकरण) नियम 1981 के उपबन्धों के अध्यधीन होगा।

3 पट्टेदार पट्टाकर्ता की लिखित पूर्व सहमति के बिना पट्टान्तरित भूमि का उपयोग जिस प्रयोजन के लिये यह पट्टा दिया गया था, उससे भिन्न रूप में नहीं करेगा या उपयोग करने की अनुज्ञा नहीं देगा

4 पट्टेदार को संपरिवर्तित भूखण्ड पर भवन का निर्माण पट्टा विलेख जारी होने की तारीख से पांच वर्ष की कालावधि के भीतर करना होगा, जिसमें विफल रहने पर पांच वर्ष पूर्ण होने के पश्चात निर्माण पूरा होने तक उस क्षेत्र के लिए आरक्षित मूल्य का आधा प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से सम्बन्धित स्थानीय प्राधिकारी की शास्ति प्रदत्त की जायेगी।

5 यदि किसी भी समय पक्षकारों के बीच इसी विलेख या उसके किसी खण्ड के निर्वाचन अर्थ या प्रभाव सम्बन्धी अथवा इसके अधीन उनके अपने अधिकारों तथा दायित्वों सम्बन्धी कोई विवाद संदेह या प्रश्न उत्पन्न हो जाये तो उसको राजस्व सचिव राजस्थान सरकार जयपुर के माध्यस्थ्य के लिये निर्दिष्ट किया जाएगा जिस पर उसका विनिश्चय अन्तिम और दोनों पक्षकारों पर आबद्धकर होगा।

इसके साक्ष्य स्वरूप इसके पक्षकारों ने पहले उपर लिखित तारीख और वर्ष को इस विलेख पत्र हस्ताक्षर कर दिये है।

पट्टेदार के हस्ताक्षर

(हस्ताक्षर) अध्यक्ष
मेवाड़ शारीरिक शिक्षा समिति

पट्टाकर्ता, राज्यपाल के लिये और उनकी ओर से जिलाधीश/उपखण्ड अधिकारी (कृषि भूमि रूपान्तरण) जिला उदयपुर द्वारा हस्ताक्षरित

1 साक्षी हीन्ता, ... (उदयपुर)
2 साक्षी ____

1 साक्षी ____
2 साक्षी ____

फोटो प्रति प्रमाणित

मानचित्र भूमि

उत्तर

पश्चिम — पूर्व

दक्षिण

पड़ोस- 1. उत्तर श्रीकमला, गोपा नारू वगैराह खण्डरियान की आराजी
2. दक्षिण स्वयं की शेष आराजी
3. पूर्व सीमा सैक्टर
4. पश्चिम श्री कमला, गोपा, नारू वगैराह खण्डरियान की आराजी

देवाफो [illegible] (परीक्षित ग्राम)

खसरा नं. 53-254-282-329

कुल क्षेत्रफल वर्ग गजों में 1400 वर्ग गज
(3'×3')

प्रयोजन आवासीय

कार्यालय उप जिला कलक्टर, वल्लभगढ़
(1) क्रम संख्या 12/08
(2) प्रा. पत्र प्रस्तुत करने की तिथि 24-01-12
(3) कापिंग शुल्क 2/- [illegible]
(4) नाम कोपीस्ट [illegible]
(5) हस्ताक्षर कोपीस्ट [illegible]
(6) प्रतिलिपी तैयार करने की तिथि 24-01-12
(7) प्रतिलिपी देने की तिथि 24-01-12

फोटो प्रति प्रमाणित

उप पंजीयन अधिकारी
(भूमि स्थानान्तरण)